सामाजिक विज्ञान (कोड–087)

कक्षा 10 – सत्र 2019–20

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 11

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. प्रश्न–पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है– 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

खण्ड–क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौनसा फिलिप वेट के इस चित्र **जर्मेनिया** में **बाज छाप कवच** का प्रतीकात्मक अर्थ है– 1

(a) जर्मन साम्राज्य की वीरता
(b) जर्मन साम्राज्य की शांति की चाह
(c) जर्मन साम्राज्य की आजादी
(d) जर्मन साम्राज्य की शक्ति

उत्तर : (d) जर्मन साम्राज्य की शक्ति

2. निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखें– 1
महात्मा गाँधी ने चौरी–चौरा में हिंसात्मक घटनाओं के पश्चात् फरवरी, 1932 में असहयोग आन्दोलन वापस ले लिया।

उत्तर :
महात्मा गाँधी ने चौरी–चौरा में हिंसात्मक घटनाओं के पश्चात् फरवरी, 1922 में असहयोग आन्दोलन वापस ले लिया।

3. 1912 ई. में जे.एन.टाटा ने भारत का पहला लौह और इस्पात संयंत्र किस जगह स्थापित किया? 1

(a) जमशेदपुर (b) बंबई
(c) मद्रास (d) अहमदाबाद

उत्तर : (a) जमशेदपुर

4. प्राचीन भारत में, ... को ताड़ के पत्तों या हस्तनिर्मित कागज पर प्रतिलिपित किया जाता था। 1

उत्तर : पांडुलिपियों

अथवा

..... अधिनियम को आइरिश प्रेस लॉ पर बनाया गया था।

उत्तर : वर्नाक्यूलर प्रेस

5. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प इस कार्टून को सबसे अच्छा दर्शाता है– 1

(a) गरीब वर्ग के आगे सदा अवसरों की असमानता रहती है।
(b) अमीर वर्ग सदैव गरीब वर्ग को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है।

(c) देश की सभी समस्याएँ अमीर वर्ग द्वारा हल की जा सकती है।

(d) अमीर वर्ग द्वारा गरीब वर्ग को सदैव हीन दृष्टि से देखना।

उत्तर : (a) गरीब वर्ग के आगे सदा अवसरों की असमानता रहती है।

6. पितृ–प्रधान व्यवस्था में प्रमुख होता है– 1

(a) ऐसी व्यवस्था जहाँ परिवार की मुखिया माँ होती है।

(b) ऐसी व्यवस्था जहाँ परिवार का कोई मुखिया नहीं होता है।

(c) ऐसी व्यवस्था जहाँ परिवार का मुखिया पिता होता है।

(d) ऐसी व्यवस्था जहाँ दादा–दादी परिवार के विषयों पर नियंत्रण करते हैं।

उत्तर : (c) ऐसी व्यवस्था जहाँ परिवार का मुखिया पिता होता है।

7. धनी परिवारों के लिए साख का कौन–सा मुख्य स्रोत हैं? 1

उत्तर : औपचारिक क्षेत्रक।

8. निम्नलिखित घटनाओं को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए–1

1. चम्पारण सत्याग्रह
2. गाँधी–इरविन समझौता
3. रॉलेट एक्ट
4. दांडी मार्च

(a) 1–2–3–4 (b) 3–1–4–2

(c) 1–3–4–2 (d) 3–4–1–2

उत्तर : (c) 1–3–4–2

9. निम्नलिखित तालिका में दी गई जानकारी के आधार पर बिन्दु A और B के स्थानों की पूर्ति कीजिए– 1

उत्तर :

देश	2007 में नागरिकों की मासिक आय (₹ में)					
	1	2	3	4	5	औसत
देश 'क'	9500	10500	9800	10000	10200	(A)–?
देश 'ख'	500	500	500	500	48000	(B)–?

उत्तर :

(A) – 10000

(B) – 10000

10. आर्थिक असमानता का क्या अर्थ है? 1

(a) यह वह स्थिति है जिसमें धन का बँटवारा समान रूप से हो।

(b) यह धन का असमान वितरण है और समाज के विभिन्न समुदायों के बीच एक अवसर है।

(c) यह लिंग के आधार पर धन का वितरण है।

(d) यह शिक्षा के आधार पर धन का वितरण है।

उत्तर : (b) यह धन का असमान वितरण है और समाज के विभिन्न समुदायों के बीच एक अवसर है।

11. श्वेत क्रांति क्या है? 1

उत्तर :

दूध तथा दूध–उत्पादों के उत्पादन में अत्यधिक वृद्धि को श्वेत क्रांति कहा जाता है।

अथवा

गन्ने के लिए उत्पादन की आदर्श दशाएँ कौन–सी हैं?

उत्तर :

तापमान 21° से 27° सेल्सियस, वार्षिक वर्षा 75 से 100 सेमी.।

12. बेल्जियम में ब्रूसेल्स के निकट स्थित शहर मर्चटेम के मेयर ने अपने यहाँ के स्कूलों में फ्रेंच बोलने पर लगी रोक को सही बताया है। उन्होंने कहा कि इससे डच भाषा न बोलने वाले लोगों को इस फ्लेमिश शहर के लोगों से जुड़ने में मदद मिलेगी। 1

ऊपर दी गई जानकारी का विश्लेषण करते हुए बताइए कि फ्रेंच पर प्रतिबन्ध लगाकर मेयर किस स्थिति के लिये उत्तरदायी हो सकते हैं?

(a) द्विभाषीय शिक्षा व्यवस्था

(b) फ्रेंच भाषी और डच भाषी लोगों के बीच शांति

(c) सामाजिक अस्थिरता

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (c) सामाजिक अस्थिरता

13. खनिजों के संरक्षण की आवश्यकता क्यों होती है? 1

उत्तर : क्योंकि यह सीमित और अनवीकरणीय हैं।

अथवा

प्राकृतिक गैस को पर्यावरण हितैषी क्यों समझा जाता है?

उत्तर :

क्योंकि इससे कम मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है।

14. सूची–I का सूची–II से मिलान करें– 1

	सूची–I		सूची–II
1.	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	क	कमल का फूल
2.	भारतीय जनता पार्टी	ख	बाली और हंसिया
3.	बहुजन समाज पार्टी	ग	हाथ का पंजा
4.	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी	घ	हाथी

उत्तर : 1–ग, 2–क, 3–घ, 4–ख

15. भारत में गठबन्धन सरकार का आरम्भ कब हुआ? 1

उत्तर : 1990 के बाद

अथवा

सरकार के विभिन्न स्तरों पर अधिकारों एवं संविधान की व्याख्या करने का अधिकार किसके पास होता है?

उत्तर : न्यायालय।

16. निजी क्षेत्रक की गतिविधियों का उद्देश्य ..... होता है। 1

उत्तर : निजी लाभ

अथवा

..... क्षेत्रक भारत की जी.डी.पी. में सबसे अधिक योगदान देता है।

उत्तर : तृतीयक

17. एल्यूमिनियम उद्योग के लिए कौन–सा खनिज कच्चा माल के रूप में उपयोग होता है? 1

(a) लोहा (b) प्लेटिनम

(c) टीन (d) बॉक्साइट

उत्तर : (d) बॉक्साइट

18. ..... प्रणाली के तहत् या तो सरकार का केवल एक स्तर होता है या उप–इकाइयाँ केंद्र सरकार के अधीनस्थ होती हैं। 1

उत्तर : एकात्मक

19. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें– 1

कथन (A) : वैश्विक उत्पादन की संरचना जटिल होती है।

कारण (R) : एक उत्पाद का उत्पादन दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हो सकता है। उदाहरण के लिए, विभिन्न देशों में उत्पादित विभिन्न घटकों को मिलाकर एक उपकरण बनाया जा सकता है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, लेकिन R गलत है।

(d) A और R दोनों गलत हैं।

उत्तर : (a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

20. "भारत जैसे देश में संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिये नियोजन एक सर्वमान्य रणनीति है।" कथन को इससे सम्बन्धित एक बिन्दु के साथ न्यायसंगत ठहराइए। 1

उत्तर :

भारत में संसाधनों की उपलब्धता में बहुत अधिक विविधता है, इसलिए राष्ट्रीय, प्रांतीय और स्थानीय स्तर पर संतुलित संसाधन नियोजन की आवश्यकता है।

खण्ड–ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

21. पेट्रो–रसायन उद्योग पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 3

उत्तर :

1. **पेट्रो–रसायन उद्योग–** ऐसे उद्योग जो रसायन जैसे– पेन्ट, प्लास्टिक, कीटनाशक दवा तथा रंग आदि के उत्पादन से जुड़े हैं उन्हें पेट्रो–रसायन उद्योग कहते हैं।
2. **महत्व–** आधुनिक समय में यह उद्योग बहुत महत्त्वपूर्ण है। लोहा–इस्पात उद्योग, वस्त्र, इंजीनियरिंग के बाद यह चौथा बड़ा उद्योग है। इसके कुछ उत्पाद जैसे कीटनाशक, प्लास्टिक, पेंट आदि बहुत लाभदायक हैं।
3. **केन्द्र–** इसके प्रमुख केन्द्र मुंबई और वडोदरा हैं।

अथवा

उर्वरक उद्योग पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर :

उर्वरक उद्योग नाइट्रोजनी उर्वरक (मुख्यतः यूरिया), फास्फेटिक उर्वरक (D.A.P.) तथा अमोनियम फास्फेट और मिश्रित उर्वरक जिसमें तीन मुख्य पोषक उर्वरक– नाइट्रोजन, फास्फेट व पोटाश शामिल हैं, के उत्पादक क्षेत्रों के इर्द–गिर्द केंद्रित हैं। तीसरा अर्थात् पोटाश पूर्णतः आयात किया जाता है क्योंकि हमारे देश में वाणिज्यिक रूप में या किसी भी रूप में प्रयुक्त होने वाले पोटाश या पोटाशियम यौगिकों के भंडार नहीं है।

हरित क्रांति के पश्चात् यह उद्योग देश के अन्य अनेक भागों में फैल गया। गुजरात, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश, पंजाब और केरल राज्य कुल उर्वरक उत्पादन के लगभग 50 प्रतिशत का उत्पादन करते हैं। अन्य महत्त्वपूर्ण उत्पादक राज्य आंध्रप्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, बिहार, महराष्ट्र, असम, पश्चिम बंगाल, गोवा, दिल्ली, मध्य प्रदेश तथा कर्नाटक हैं।

22. भारत में पाई जाने वाली बेरोजगारी के कोई तीन प्रकार समझाइए। 3

उत्तर :

भारत में निम्न प्रकार की बेरोजगारी पाई जाती है–

1. **प्रच्छन्न बेरोजगारी–** प्रच्छन्न बेरोजगारी की स्थिति में एक काम करने के लिए जितने श्रमिकों की आवश्यकता होती है उससे अधिक श्रमिक उस काम में लगे होते हैं। यदि कुछ श्रमिक हटा दिए जायें तो कुल उत्पाद में कमी नहीं होगी। भारत के ग्रामीण क्षेत्र में प्रच्छन्न बेरोजगारी की समस्या काफी गंभीर है।
2. **मौसमी बेरोजगारी–**भारत एक कृषि प्रधान देश है और कृषि एक मौसमी व्यवसाय है। यह बेरोजगारी मौसम में परिवर्तन के फलस्वरूप पैदा होती है।
3. **औद्योगिक बेरोजगारी–**भारत में औद्योगिक बेरोजगारी के उत्पन्न होने के कई कारण है। पहला कारण उत्पादन में पूँजी प्रधान तकनीक को अपनाना। दूसरा कारण गाँव के लोगों

का शहर में नौकरी करने आना। गाँव के लोगों के शहर में आने के कारण औद्योगिक शहरों में श्रमिकों की संख्या बढ़ गई है, परन्तु भारत में अभी इतने उद्योग स्थापित नहीं हुए कि बढ़ती हुई श्रम–शक्ति को अपने में खपा सके।

अथवा

अर्थव्यवस्था के वित्तीय क्षेत्रकों में समय के साथ आये बदलावों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

1. कृषि क्षेत्रक में, कृषि प्रणाली परिवर्तित हो गई है। रासायनिक कीटनाशक दवाओं के उपयोग से नकदी फसलों के उत्पादन में वृद्धि हुई है। वर्षा पर निर्भरता कम हो गई है। कृषि में आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ा है।
2. विनिर्माण उद्योग में नई मशीनों और औजारों का उपयोग हो रहा है। फैक्ट्रियाँ फैल रही हैं। कुल उत्पादन और रोजगार की दृष्टि से द्वितीयक क्षेत्रक सबसे महत्त्वपूर्ण हो गया है।
3. सेवा क्षेत्रक में नई सेवाएँ जुड़ रही हैं तथा लगातार बढ़ रही हैं। इस क्षेत्रक में ज्ञान प्रक्रिया बाह्यस्रोतीकरण महत्त्वपूर्ण बन गया है।

23. नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़ें और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 1 + 1 = 3$

स्रोत क : फ्रांसीसी क्रान्ति और राष्ट्र का विचार

राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति 1789 में फ्रांसीसी क्रांति के साथ हुई। 1789 मे फ्रांस एक ऐसा राज्य था जिसके संपूर्ण भू–भाग पर एक निरंकुश राजा का आधिपत्य था। फ्रांसीसी क्रांति से जो राजनीतिक और संवैधानिक बदलाव हुए उनसे प्रभुसत्ता राजतंत्र से निकल कर फ्रांसीसी नागरिकों के समूह में हस्तांतरित हो गई। क्रांति ने घोषणा की कि अब लोगों द्वारा राष्ट्र का गठन होगा और वे ही उसकी नियति तय करेंगे।

स्रोत ख : यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण

मध्य अठारहवीं सदी के यूरोप के नक्शे को देखें तो उसमें वैसे 'राष्ट्र–राज्य' नही मिलेंगे जैसे कि आज हैं। जिन्हें आज हम जर्मनी, इटली और स्विट्जरलैंड के रूप में जानते हैं वे तब राजशाहियों, डचियों और कैंटनों में बँटे हुए थे, जिनके शासकों के स्वायत्त क्षेत्र थे। पूर्वी और मध्य यूरोप निरंकुश राजतंत्रों के अधीन थे और इन इलाकों में तरह–तरह के लोग रहते थे।

स्रोत ग : 1815 के बाद एक नया रूढ़िवाद

1815 में नेपोलियन की हार के बाद यूरोपीय सरकारें रूढ़िवाद की भावना से प्रेरित थीं। रूढ़िवादी मानते थे कि राज्य और समाज की स्थापित पारंपरिक संस्थाएँ; जैसे–राजतंत्र, चर्च, सामाजिक ऊँच–नीच, संपत्ति और परिवार को बनाए रखना चाहिए। फिर भी अधिकतर रूढ़िवादी लोग क्रांति से पहले दौर में वापसी नहीं चाहते थे। नेपोलियन द्वारा शुरू किए गए परिवर्तनों से उन्होंने यह जान लिया था कि आधुनिकीकरण, राजतंत्र जैसी पारंपरिक संस्थाओं को मजबूत बनाने में सक्षम था। वह राज्य की ताकत को ज्यादा कारगर और मजबूत बना सकता था। एक आधुनिक सेना, कुशल नौकरशाही, गतिशील अर्थव्यवस्था, सामंतवाद और भूदासत्व की समाप्ति–यूरोप के निरंकुश राजतंत्रों को शक्ति प्रदान कर सकते थे।

स्रोत क : फ्रांसीसी क्रान्ति और राष्ट्र का विचार

23.1 यूरोप में फ्रांसीसी क्रांति के कारण राजनीतिक तथा संवैधानिक परिदृश्य में हुए प्रमुख बदलाव क्या थे? 1

उत्तर :

फ्रांसीसी क्रांति से जो राजनीतिक और संवैधानिक बदलाव हुए उनसे प्रभुत्ता राजतंत्र से निकल कर फ्रांसीसी नागरिकों के समूह में हस्तान्तरित हो गई।

स्रोत ख : यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण

23.2 पूर्वी और मध्य यूरोप में तरह–तरह के लोग रहते थे। यहाँ तरह–तरह के लोगों से क्या आशय है? 1

उत्तर :

ये लोग अपने आप को एक सामूहिक पहचान या किसी समान संस्कृति का भागीदार नहीं मानते थे। अक्सर वे अलग–अलग भाषाएँ बोलते थे और विभिन्न जातीय समूहों के सदस्य थे।

स्रोत ग : 1815 के बाद एक नया रूढ़िवाद

23.3 रूढ़िवादियों और क्रांतिकारियों के बीच किसी एक अंतर का उल्लेख करें। 1

उत्तर :

रूढ़िवादी राजतंत्र का समर्थन करते थे, जबकि क्रांतिकारी राजतंत्र व्यवस्था के विरोधी थे।

24. उन तरीकों को तीन बिंदुओं में स्पष्ट कीजिए जिनकी सहायता से ईस्ट इंडिया कंपनी ने निर्यात के लिये वस्त्रों की नियमित आपूर्ति को सुनिश्चित किया। 3

उत्तर :

1. ईस्ट इंडिया कंपनी ने कपड़े के व्यापार से जुड़े हुए व्यापारियों तथा दलालों को धीरे–धीरे खत्म करना शुरू कर दिया। इसने बुनकरों पर अपेक्षाकृत अधिक प्रत्यक्ष नियंत्रण स्थापित किया।
2. कंपनी ने वेतनभोगी कर्मचारी नियुक्त किये जिन्हें गुमाश्ता कहा जाता था। ये लोग कंपनी के बुनकरों पर निगरानी रखते थे, माल इकट्ठा करते थे तथा कपड़ों की गुणवत्ता जाँचने का कार्य करते थे।
3. कंपनी ने बुनकरों को अपने विरोधियों के साथ सौदा करने पर रोक लगा दी। इसके लिये उसने बुनकरों को अग्रिम राशि दी। बुनकरों को वस्तुओं के उत्पादन हेतु कच्चे माल की खरीद के लिये ऋण भी उपलब्ध कराये।

अथवा

19वीं शताब्दी में लोगों को नई वस्तुएँ खरीदने के लिए प्रेरित करने के लिये किस प्रकार के प्रयास किए गए?

उत्तर :

नए उपभोक्ता बनाने के लिए व्यापारियों और उद्योगपतियों ने निम्नलिखित तरीके अपनाए–

1. **विज्ञापनों द्वारा–** विज्ञापन विभिन्न उत्पादों को जरूरी और वांछनीय बना देते हैं। वे लोगों की सोच बदल देते हैं और नयी जरूरतें पैदा कर देते हैं। इसीलिए औद्योगीकरण के प्रारंभ से ही विज्ञापनों ने विभिन्न उत्पादों को बाजार में फैलाने में और एक नयी उपभोक्ता संस्कृति रचने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
2. **लेबलों का प्रयोग–** वस्तु पर लेबल लगाकर कंपनी का नाम व उत्पादन की जगह का उल्लेख किया जाता था। इसका खरीददार पर गहरा प्रभाव पड़ता था। अगर कपड़ा मैनचेस्टर में निर्मित होता तो खरीदार बिना किसी डर के खरीद लेता था। लेबलों पर तस्वीरें बनाकर लोगों को आकर्षित किया जाता था।
3. **कैलेंडरों का प्रयोग–** कैलेंडरों द्वारा अशिक्षित व्यक्तियों को प्रभावित किया जाता था। इन कैलेंडरों का प्रयोग लोग घरों, दुकानों, दफ्तरों आदि में करते थे। प्रतिदिन देखने के परिणामस्वरूप उनमें उस वस्तु को प्रयोग करने की उत्सुकता व लालसा पैदा होती थी। इन कैलेंडरों को आकर्षक बनाने के लिए महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों, सम्राटों आदि की तस्वीरों का प्रयोग किया जाता था।

25. निर्णय निर्माण प्रक्रिया में लोकतांत्रिक और गैर–लोकतांत्रिक सरकारों में क्या अंतर हैं? 3

उत्तर :

निर्णय प्रक्रिया में लोकतांत्रिक और गैर–लोकतांत्रिक सरकारों में निम्नलिखित अंतर हैं–

	लोकतांत्रिक सरकार	**गैर–लोकतांत्रिक सरकार**
1.	लोकतंत्र विचार–विमर्श और समझौते की धारणाओं पर आधारित होता है।	इसमें विचार–विमर्श और समझौते नहीं होते हैं।
2.	लोकतांत्रिक सरकार निर्णय लेने से पहले जनता की राय का ध्यान रखती है।	इसमें जनता की राय पर ध्यान नहीं दिया जाता है।
3.	विचार–विमर्श और समझौते के कारण निर्णय लेने में ज्यादा समय लग सकता है, लेकिन ये निर्णय ज्यादा प्रभावी होते हैं।	इसमें निर्णय बहुत तेजी से लिए जा सकते हैं लेकिन कभी–कभी ये कम प्रभावी होते हैं और इन्हें लोगों पर थोपा जाता है।

26. भारत में मुद्रण संस्कृति का विकास किस तरह से हुआ? 3

उत्तर :

1. 16वीं सदी में पहले–पहल भारत में एक मिशनरी गोवा में छपाई मशीन साथ लाई।
2. 1674 में लगभग 50 धार्मिक पुस्तकें कोंकणी और कन्नड भाषाओं मे छापी गई।
3. छपाई का सिलसिला चल पड़ा। 1579 में कोचीन में कैथोलिक पादरियों ने पहली तमिल पुस्तक प्रकाशित की। इसी तरह से 1713 में पहली मलयालम पुस्तक का प्रकाशन हुआ।
4. अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी के आगमन के बाद ही अंग्रेजी भाषा की पुस्तकों का प्रकाशन प्रारंभ हुआ। बाद में भारतीयों ने समाचार–पत्रों का प्रकाशन शुरू किया।

27. विकास की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ बताइए। 3

उत्तर :

1. विभिन्न लोगों के विकास के लक्ष्य भिन्न हो सकते हैं।
2. एक व्यक्ति के लिए जो विकास है, दूसरे के लिए वह विकास नहीं भी हो सकता। दूसरे के लिए वह विनाशकारी भी हो सकता है।
3. विकास का सबसे महत्त्वपूर्ण अंग है– आय, परन्तु आय चाहने के अतिरिक्त लोग बराबरी का व्यवहार, स्वतंत्रता, सुरक्षा तथा दूसरों से आदर मिलने की इच्छा भी रखते हैं।
4. विकास के लिए लोग मिले–जुले लक्ष्यों को देखते हैं।

अथवा

भूमिहीन श्रमिकों के लिए विकास के लक्ष्य क्या है?

उत्तर :

भूमिहीन श्रमिकों के लिए विकास के लक्ष्य निम्नलिखित हैं–

1. सप्ताह में कार्य के अधिक दिन तथा अच्छी मजदूरी।
2. उनके बच्चों को गुणवत्ता शिक्षा देने के लिए सरकार द्वारा शैक्षणिक सुविधाएँ।
3. सामाजिक भेदभाव का न होना ताकि उनके बच्चे भी गाँव में नेता बन सकें।

28. सक्षम परिवहन के साधन देश के तीव्र विकास के लिए पूर्व अपेक्षित है। व्याख्या कीजिए। 3

उत्तर :

1. लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वस्तुओं एवं सेवाओं को तीव्रगति से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने हेतु सक्षम परिवहन के साधनों की आवश्यकता होती है।
2. वस्तुएँ तथा सेवाएँ माँग स्थल से आपूर्ति स्थल पर अपने आप नहीं पहुँच जाती। इसके लिए परिवहन की आवश्यकता होती है।
3. कुछ व्यक्ति इसको उपलब्ध करवाने में संलग्न हैं। जो व्यक्ति उत्पाद को परिवहन द्वारा उपभोक्ताओं तक

पहुँचाते हैं, उन्हें व्यापारी कहा जाता है।

4. एक देश के विकास की गति वस्तुओं तथा सेवाओं के उत्पादन के साथ उनके एक स्थान से दूसरे स्थान तक वहन की सुविधा पर भी निर्भर करती है।

खण्ड–ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

29. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डालिए। 5

उत्तर :

1. अमेरिका में कार आदि उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन बढ़ा जिससे उपभोग में वृद्धि हुई और खाद्यान्न आदि के क्षेत्र में भी उन्नति करने के कारण अमेरिका का आर्थिक राजनीतिक और सैन्य वर्चस्व पश्चिमी देशों में बढ़ गया।
2. 1949 में परमाणु परीक्षण के साथ ही सोवियत संघ विश्व की दूसरी महाशक्ति बना। इसने जर्मनी के नाजियों को हराकर उन वर्षो में अपनी कृषि अर्थव्यवस्था को उन्नत कर लिया जब पूँजीवादी देश महामंदी (1929) की मार झेल रहे थे।
3. संयुक्त राष्ट्र संघ (1945) बनने से भी पहले 1944 में ब्रेटन वुड्स के माउन्ट वाशिगंटन होटल में एक सम्मेलन आयोजित हुआ। आर्थिक स्थिरता और पूर्ण रोजगार की स्थिति पर विचार करने के लिए यह सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन के निष्कर्ष स्वरूप अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (विश्व बैंक) नामक दो संस्थाएँ बनाई गई। पहले का काम सदस्य राष्ट्रों के विदेशी व्यापार के आधिक्य (लाभ) और घाटे में संतुलन लाने का था जबकि दूसरे का काम सदस्य राष्ट्रों को द्वितीय विश्व युद्ध से छिन्न–भिन्न अर्थव्यवस्था को पुनः सुधारने के लिए वित्तीय सहायता (ऋण) देने का था। अमेरिका को इन दोनो संस्थाओं द्वारा लिए गए निर्णयों का निषेध का अधिकार (वीटो) प्राप्त है। इनके निर्णय भी विकसित राष्ट्रों द्वारा लिए जाते हैं। ब्रेटन वुड्स की यह व्यवस्था स्थिर विनिमय दर वाली थी (1 डॉलर = 35 औंस सोना)।
4. ब्रेटन वुड्स की इन दोनों संस्थाओं ने पश्चिम के औद्योगिक राष्ट्रों और जापान के व्यापार तथा आय को अप्रत्याशित रूप से बढ़ाया और ये सभी देश आर्थिक रूप से अति–संपन्न हो गए। यहाँ बेरोजगारी भी पाँच प्रतिशत से नीचे रह गई अर्थात् पूर्ण रोजगार की स्थिति प्राप्त हुई।
5. विश्व में प्रौद्योगिकी और उद्यमों का विकास हुआ। विकासशील देशों ने भी इन वर्षों में विपुल पूँजी निवेश किया और अत्याधुनिक औद्योगिक संयंत्र खरीदे।

अथवा

अफ्रीका में रिंडरपेस्ट अथवा मवेशी प्लेग के प्रसार के पड़े नकारात्मक प्रभावों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

1. अफ्रीका में 1890 के दशक में रिंडरपेस्ट नामक बीमारी बहुत तेजी से फैल गई। मवेशियों में प्लेग की तरह फैलने वाली इस बीमारी से लोगों की आजीविका और स्थानीय अर्थव्यवस्था बहुत प्रभावित हुई। 90 प्रतिशत मवेशी मर जाने के कारण अफ्रीका के कृषक समाज को अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार करनी पड़ी।
2. रिंडरपेस्ट नाम की यह बीमारी सबसे पहले 1880 के दशक के आखिर के सालों में फैली। उस समय पूर्वी अफ्रीका में एरिट्रिया पर हमला कर रहे इटली के सैनिकों का पेट भरने के लिए एशियाई देशो से जानवर लाए जाते थे। एशियाई देशों से आए उन्हीं जानवरों के जरिये अफ्रीका में यह बीमारी पहुँची।
3. सबसे पहले यह अफ्रीका के पूर्वी भागों में फैली और फिर जंगल की आग की तरह पश्चिमी अफ्रीका की तरफ बढ़ने लगी। 1892 में यह अफ्रीका के अटलांटिक तट तक जा पहुँची। पाँच साल बाद यह केप (अफ्रीका का नितांत दक्षिणी हिस्सा) तक भी पहुँच गई। रिंडरपेस्ट ने अपने रास्ते में आने वाले 90 प्रतिशत मवेशियों को मौत की नींद सुला दिया।
4. पशुओं के खत्म हो जाने से अफ्रीकियों की रोजी–रोटी के साधन ही खत्म हो गए। अपनी सत्ता को और मजबूत करने तथा अफ्रीकियों को श्रम बाजार में ढकेलने के लिए वहाँ के बागान मालिकों, खान मालिकों और औपनिवेशिक सरकारों ने बचे–खुचे पशु भी अपने कब्जे में ले लिये।
5. उपनिवेशवाद के प्रारंभिक वर्षों तक अफ्रीका में पैसे या वेतन पर काम करने का चलन नहीं था। अगर आप भी अफ्रीका के किसान होते और आपके पास जमीन और पालतू पशु होते–जिनकी वहाँ कोई कमी नहीं थी, तो शायद आपको भी यह बात समझ में नहीं आती कि वेतन के लिए काम करने की क्या जरूरत है।

30. निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 2 + 2 = 5$

मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं। गरीबों के आर्थिक और सामाजिक विकास के प्रयासों के लिए उन्हें अनेक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। उन्हें और उनके द्वारा स्थापित ग्रामीण बैंक को संयुक्त रूप से वर्ष 2006 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। फ़रवरी 2007 में उन्होंने एक राजनीतिक दल बनाने और संसदीय चुनाव लड़ने का फ़ैसला किया। उनका उद्देश्य सही नेतृत्व को उभारना, अच्छा शासन देना और नए बांग्लादेश का निर्माण करना है। उन्हें लगता है कि पारंपरिक दलों से अलग एक नए राजनीतिक दल से ही नई राजनीतिक संस्कृति पैदा हो सकती है। उनका दल निचले स्तर से लेकर ऊपर तक लोकतांत्रिक होगा।

नागरिक शक्ति नामक इस नये दल के गठन से बांग्लादेश में हलचल मच गई है। उनके फ़ैसले को काफ़ी लोगों ने पसंद किया तो अनेक को यह अच्छा नहीं लगा। एक सरकारी अधिकारी इस्लाम ने कहा, "मुझे लगता है कि अब बांग्लादेश में अच्छे और बुरे के बीच चुनाव करना संभव हो गया है। अब एक अच्छी सरकार की उम्मीद की जा सकती है। यह सरकार न केवल भ्रष्टाचार से दूर रहेगी बल्कि भ्रष्टाचार और काले धन की समाप्ति को भी अपनी प्राथमिकता बनाएगी।"

पर दशकों से मुल्क की राजनीति में रुतबा रखने वाले पुराने दलों के नेताओं में संशय है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के एक बड़े नेता का कहना है : "नोबेल पुरस्कार जीतने पर क्या बहस हो सकती है पर राजनीति एकदम अलग चीज़ है। एकदम चुनौती भरी और अक्सर विवादास्पद।" कुछ अन्य लोगों का स्वर और कड़ा था। वे उनके राजनीति में आने पर सवाल उठाने लगे। एक राजनीतिक प्रेक्षक ने कहा, "देश से बाहर की ताकतें उन्हें राजनीति पर थोप रही हैं।"

30.1 क्या आपको लगता है कि यूनुस ने नयी राजनीतिक पार्टी बनाकर ठीक किया?

30.2 क्या आप विभिन्न लोगों द्वारा जारी बयानों और अंदेशों से सहमत हैं? इस पार्टी को दूसरों से अलग काम करने के लिए खुद को किस तरह संगठित करना चाहिए?

30.3 अगर आप इस राजनीतिक दल के संस्थापकों में से एक होते, तो इसके पक्ष में क्या दलील देते?

उत्तर :

30.1

यूनुस ने वही किया जो वह मानता था कि उसके उद्देश्य की पूर्ति करेगा और बांग्लादेश के सुधार का उद्देश्य पूरा करेगा। अपने ग्रामीण बैंक के पहल के लिए लोगों से मिलने वाले समर्थन ने उसे चुनाव जितवाए और राजनीतिक सत्ता द्वारा बदलाव लाने में मदद की। लोगों को अपनी राय देने का हक दिया गया। यह युनुस का कर्त्तव्य है कि वह लोगों को आश्वस्त करें और लोगों के मन से डर हटाए।

30.2

नई पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र होना चाहिए। मुद्रा-प्रवाह के संबंध में पारदर्शिता होनी चाहिए। केवल वे ही व्यक्ति चुनावों के लिए नामांकित होने चाहिए जिनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं है। अपने आदर्शवादी वादों पर पार्टी को बने रहना चाहिए।

30.3

मैं इसकी ईमानदारी से रक्षा करूँगा। मैं लोगों को आश्वस्त करता हूँ कि मैं ईमानदारी और पारदर्शी राजनीतिक दल को दिखाते हुए प्रभावी सरकार तैयार करूँगा। नीतियाँ और कार्यक्रम यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक नागरिक के हित का ध्यान रखा गया है और बांग्लादेश के भविष्य के लिए संतुलित दृष्टिकोण बनाया गया है।

31. विभिन्न तरह की सांप्रदायिक राजनीति का ब्यौरा दें और सबके साथ एक-एक उदाहरण भी दें। 5

उत्तर :

यद्यपि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है और धर्म के आधार पर संविधान किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करता, फिर भी सांप्रदायिकता राजनीति में अनेक रूप धारण किए हुए है। यह बात निम्नलिखित बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट की जा सकती है-

1. सांप्रदायिक आधार पर राजनीतिक दलों द्वारा धर्म और राजनीति का मिश्रण किया जाता है। राजनीतिक दलों द्वारा अधिक वोट प्राप्त करने के लिए लोगों की धार्मिक भावनाओं को भड़काया जाता है। जैसे- भारत में भारतीय जनता पार्टी धर्म के नाम पर वोट हासिल करने की कोशिश करती है। बाबरी मस्जिद का मुद्दा इसका उदाहरण है।
2. कई बार सांप्रदायिकता सबसे गंदा रूप लेकर संप्रदाय के आधार पर हिंसा, दंगा और नरसंहार कराती है। विभाजन के समय भारत और पाकिस्तान में भयानक सांप्रदायिक दंगे हुए थे। आजादी के बाद भी बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक हिंसा हुई है। 1984 का हिंदू-सिक्ख दंगा इसका प्रमुख उदाहरण है।
3. सांप्रदायिकता की सबसे आम अभिव्यक्ति रोजमर्रा के जीवन में ही दिखती है। इनमें धार्मिक पूर्वाग्रह, धार्मिक समुदायों के बारे में बनी-बनाई धारणाएँ और एक धर्म को दूसरे धर्म से श्रेष्ठ मानने की मान्यताएँ शामिल हैं।
4. सांप्रदायिक भावना वाले धार्मिक समुदाय राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित करना चाहते हैं। इसके लिए धर्म के आधार पर राजनीतिक दलों का गठन किया जाता है तथा फिर धीरे-धीरे धर्म पर आधारित अलग राज्य की माँग करके देश की एकता को नुकसान पहुँचाया जाता है। जैसे- भारत में अकाली दल, हिंदू महासभा आदि दल धर्म के आधार पर बनाए गए। धर्म के आधार पर सिक्खों की खालिस्तान की माँग इसका उदाहरण है।

32. किसी देश की अर्थव्यवस्था में मुद्रा क्या भूमिका निभाती हैं? 5

उत्तर :

अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका

1. एक देश की अर्थव्यवस्था में मुद्रा की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। जीवन के प्रत्येक कदम पर धन का ही प्रयोग होता है। वस्तुतः मुद्रा के बिना जीवित रहने की कल्पना करना भी कठिन हैं।
2. यह वस्तुओं और सेवाओं के विनिमय को सुगम बनाती है अर्थात् व्यापार का संचालन करने में समय और परिश्रम की बर्बादी को न्यूनतम कर देती है।
3. वस्तुओं और सेवाओं का विनिमय किए बिना कोई भी व्यक्ति अपनी इच्छाओं और आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता हैं। वस्तु विनिमय में कई समस्याएँ हैं अतः

मुद्रा की अनुपस्थिति में लेन–देन करना आसान नहीं है।

4. आधुनिक अर्थव्यवस्था अति विशिष्टीकरण वाली है। पूँजी की अलग–अलग किस्मों एवं बहुविधि उपयोग से फर्म, व्यापार, कारोबार में विशिष्टता आई है। ऐसा विशिष्टीकरण प्रत्येक व्यक्ति को अपनी योग्यता का अधिक से अधिक लाभ देने में सक्षम बनाता है। विनिमय और व्यापार की उच्च विकसित व्यवस्था न रहने की दशा में ऐसा विशिष्टीकरण लाना संभव नहीं होगा।
5. मुद्रा चार महत्त्वपूर्ण कार्यो को संपन्न करती है। ये कार्य हैं–
   (a) मूल्य की एक इकाई,
   (b) विनिमय का माध्यम,
   (c) आस्थगित भुगतानों का एक मानक और
   (d) मूल्य का संचय या संग्राहक।

33. खनिज संसाधनों का संरक्षण परमावश्यक क्यों है? उनके संरक्षण के लिए कोई तीन विधियाँ स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर :

संरक्षण की आवश्यकता

1. ये अनवीकरणीय संसाधन हैं। इनका सीमित भंडार है।
2. खनिजों का खनन करने में भारी लागत चुकानी पड़ती है।
3. खनिजों के बनने की प्रक्रिया में लाखों वर्ष लगते हैं।
4. ये मानव जीवन और विकास के क्रियाकलापों हेतु बहुत आवश्यक हैं।
5. आने वाली पीढ़ी के लिए इनकी महती आवश्यकता है।

संरक्षण के लिए उपाय–

1. खनिजों का उपयोग नियंत्रित ढंग से किया जाना चाहिए जिससे आने वाली पीढ़ी के लिए उनकी नियमित आपूर्ति बनी रहे।
2 खनिजों की बर्बादी कम करनी चाहिए।
3. खनिजों को निकालने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाना चाहिए।
4. खनिजों का निर्यात कम करना चाहिए।
5. खनिजों के वैकल्पिक उपयोग के बारे में सोचना चाहिए।

अथवा

खनन से क्या खतरे हैं या स्वास्थ्य और पर्यावरण पर खनिजों के खनन का क्या प्रभाव पड़ता है? भारत में खनिकों की क्या स्थिति है?

उत्तर :

खनन के खतरे या खनिकों के स्वास्थ्य तथा पर्यावरण पर प्रभाव को निम्न बिंदुओं से स्पष्ट किया जा सकता है–

1. खनिकों द्वारा धूल तथा हानिकारक धुएँ में साँस लेना उन्हें फेफड़ों संबंधी बीमारियों से ग्रस्त कर देता है।
2. खदानों की छतों के गिरने, सैलाब आने (जलप्लावित होना), कोयले की खदानों में आग लगने जैसे– खतरे खदान श्रमिकों के लिए स्थाई हैं।
3. मृदा का निम्नीकरण होता है।
4. नदी या जलाशय में भी प्रदूषण फैलता है।

भारत में कोयला खनिकों की दशा कभी–कभी संतोषजनक नहीं पायी जाती, क्योंकि–

1. भूमिगत आग जलते कचरे से कोयले के गड्ढ़ों से आरंभ होती है।
2. 50% से अधिक कोयले की खानें भारत में सुरक्षित नहीं हैं। कोयला कंपनी आवश्यक सुरक्षा स्तर को पूरा नहीं करतीं।
3. खानों का सुरक्षा स्तर दूसरे स्तर पर है। इसके पहले यह तीसरे स्तर पर था।
4. कोयले की खानों में सुरक्षा उपायों की कमी है जिससे विपत्ति आने का डर रहता है।
5. बहुत से खनिक प्रत्येक वर्ष विस्फोट अथवा दूसरे प्रकार की दुर्घटनाओं के शिकार हो जाते हैं।

34. वैश्वीकरण की प्रक्रिया में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भूमिका स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर :

वैश्वीकरण का अर्थ है–

1. एक देश में निर्मित वस्तुओं को विश्व के अन्य सभी राष्ट्रों में निःसंकोच बेचना।
2. देश के अन्दर तथा बाहर वस्तुओं को बेचने पर लगे प्रतिबंधों को हटाकर उन्हें बेचना।
3. प्रौद्योगिकी का स्वतंत्र प्रवाह सुनिश्चित करना।
4. श्रम तथा मानव कौशल का मुक्त प्रवाह सुनिश्चित करना।
5. प्रेरणादायक वातावरण तथा प्रस्तावों की सहज स्वीकृति सुनिश्चित करना तथा देश–विदेश के निवेशों का समर्थन करना।

उपर्युक्त वर्णित सभी कार्य वैश्वीकरण की प्रक्रिया के अंतर्गत आते हैं।

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ वैश्वीकरण की प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अधिक विदेश व्यापार और अधिक विदेशी निवेश के परिणामस्वरूप विभिन्न देशों के बाजारों एवं उत्पादनों में एकीकरण हो रहा है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों का उद्यम एक देश में न होकर अनेक देशों में होता है।

अमेरिका तथा कुछ अन्य विकसित देश कुछ कंपनियों को धन अर्जित करा कर विभिन्न देशों में व्यापार के लिए प्रेरित करती है तथा उन्हें स्थापित करती है। इन्हें ही बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ कहते हैं। इनकी शाखाएँ अनेक राष्ट्रों में होती हैं जो आपस में संबंधित होती हैं।

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ जिस राष्ट्र में स्थापित हैं वहीं के नागरिकों को नौकरी कम वेतन पर दे देती है जिससे उन्हें सस्ते मूल्य पर श्रम उपलब्ध हो जाता है।

ये कंपनियाँ उसी देश के उत्पादन तथा निर्मित वस्तुओं को सस्ते मूल्य में खरीद कर अधिक मूल्य पर अन्य देशों में बेचती हैं। इससे अधिक लाभ अर्जित करती है।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा एक राष्ट्र में निर्मित वस्तुएँ सभी राष्ट्रों में उपलब्ध हो जाती हैं जिससे संपूर्ण राष्ट्रों में समानता की भावना जागृत हो जाती है।

मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

35. (a) दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए– 2

(A) वह स्थान, जहाँ दिसम्बर 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ।

(B) वह स्थान, जहाँ गाँधी जी ने सूती वस्त्र मिल मज़दूरों के साथ सत्याग्रह किया।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें– 4

(i) कोलकाता – नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा

(ii) सिंगरौली – तापीय ऊर्जा संयंत्र

(iii) मुम्बई – सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र

(iv) विजयनगर – लोहा और इस्पात संयंत्र

(v) नोएडा – सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क

(vi) हल्दिया – प्रमुख समुद्री पत्तन

उत्तर :

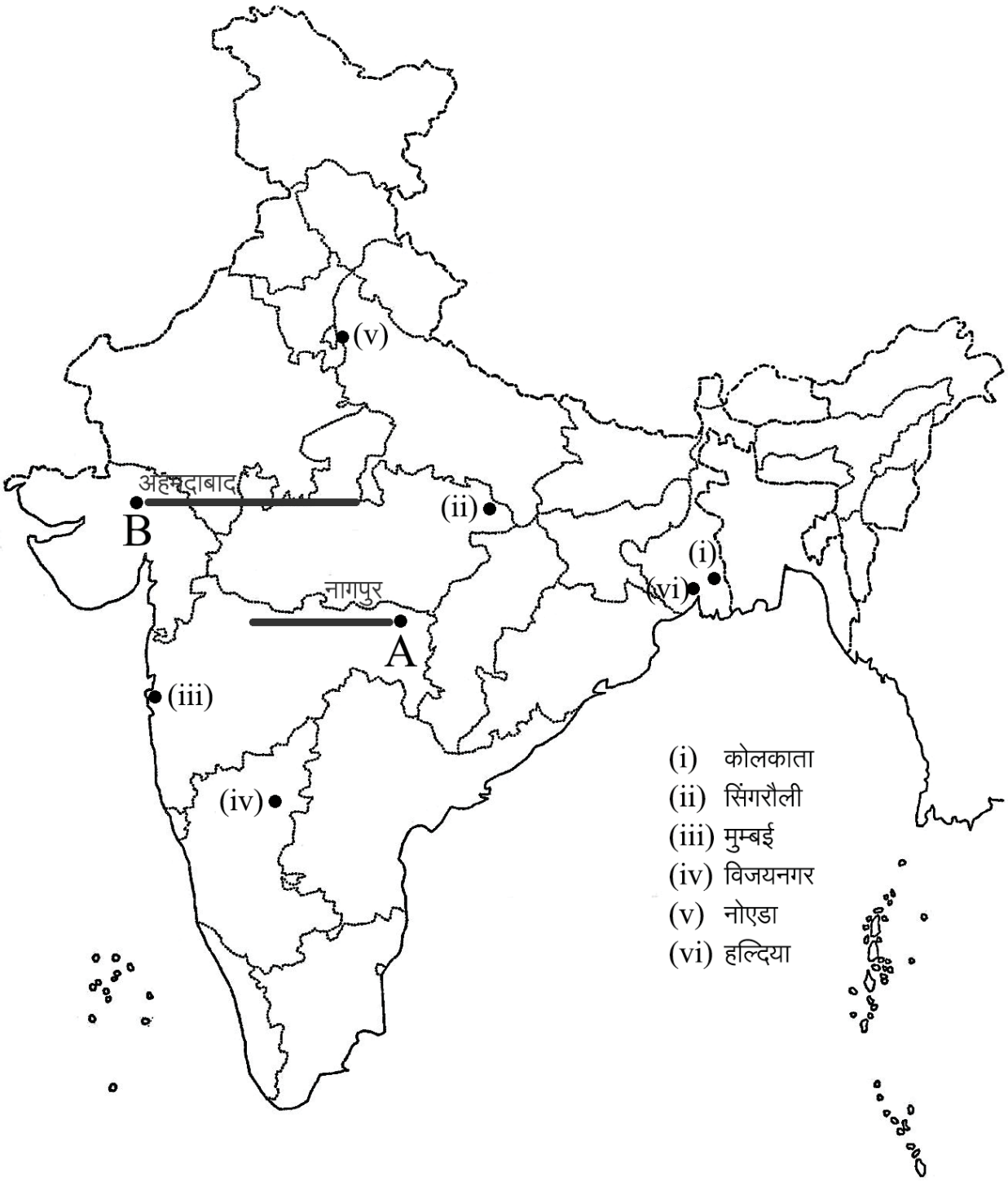

WWW.CBSE.ONLINE

Download Unsolved version of this paper from www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.